प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता

डॉ0 मनोज कुमार वार्ष्णेय
(प्रवक्ता)
डायट- आगरा

उद्देश्य– प्रवक्ता द्वारा अपने जनपद में देखा गया कि विगत वर्षों में बहुत कम बच्चे प्रतियोगी परीक्षा यथा–राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा, श्रेष्ठा योजना आदि में सम्मिलित हो रहे थे। इसके लिए शिक्षक द्वारा ICT के माध्यम से ऑनलाइन कक्षा का संचालन, प्रतियोगी परीक्षा से सम्बन्धित सूचनाओं का प्रचार–प्रसार एवं प्रैक्टिस पेपर तैयार करके अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में सम्मिलित कराने का कार्य किया गया। विगत तीन वर्षों में प्रतियोगी परीक्षा जैसे– राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा आदि में सम्मिलित होने तथा सफल होने वाले विद्यार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

क्रियान्यवन :– प्रवक्ता द्वारा ICT के प्रयोग के माध्यम से विद्यार्थियों हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे– राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा, श्रेष्ठा की तैयारी हेतु जनपद के शिक्षकों के साथ कार्य योजना तैयार करते हुए ऑनलाइन कक्षा का संचालन किया गया। इन कक्षाओं में यह विशेष ध्यान दिया गया कि परीक्षा में आने वाले विषयों के प्रश्नों की संख्या व महत्व के आधार पर विषय विशेषज्ञों/शिक्षकों द्वारा कक्षा का संचालन इस प्रकार से किया जाय कि छात्र–छात्राओं के लिए ऑनलाइन सत्रों में जुड़ना सुलभ हो, ऑनलाइन कक्षा संचालन का समय शाम को सात बजे से आठ बजे किया गया, जिससे अभिभावक उपस्थित रहे व छात्र–छात्राओं के लिए मोबाइल फोन की उपलब्धता सम्भव हो सके। इसके साथ ही संस्थान के समस्त प्रवक्ता साथियों व खण्ड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के आवेदन आने से पूर्व व आवेदन आने के पश्चात् समस्त विकास क्षेत्र की प्रधानाध्यापकों/प्रभारी प्रधानाध्यापकों के साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर मीटिंग आयोजित की गई, जिससे न केवल सभी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की समय से जानकारी हुई बल्कि

वे अपने विद्यालय से अधिक छात्र–छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिभाग भी करा सके। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रैक्टिस सेट तैयार कर अभ्यास कराया गया जिससे परीक्षा देने से पूर्व छात्र–छात्राओं में आत्मविश्वास जागृत हुआ और सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए।

प्रभाव– प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में यह कार्य वृहद् स्तर पर सार्थक हुआ। जनपद, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर ना केवल विद्यार्थियों व शिक्षकों की प्रतिभागिता बढ़ी बल्कि चयन में भी वृद्धि हुई।

विगत तीन वर्षों में नेशनल मीन्स–कम–मेरिट स्कॉलरशिप (NMMS Scholarship) में विद्यार्थियों का चयन 18 से बढ़कर 264 हो गया और वर्ष 2008 में संचालित नेशनल मीन्स–कम–मेरिट स्कॉलरशिप (NMMS Scholarship) परीक्षा, जिसमें छात्रवृत्ति की 25 प्रतिशत सीटें भी नहीं भर पाती थीं वहाँ इस परीक्षा की शत प्रतिशत सीटें पूरी हो गई। तीन वर्ष पूर्व जहाँ केवल 104 आवेदन हुए थे, वहाँ वर्ष 2023 में लगभग 3500 आवेदन हुए। पहली बार मेरिट के आधार पर छात्रवृत्ति प्राप्त हुई, क्योंकि 1020 के सापेक्ष 269 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की, साथ ही केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना– श्रेष्ठा योजना जिसके तहत पूरे भारत से कक्षा 9 एवं 11 में मिलाकर 3000 विद्यार्थियों को प्राइवेट, आवासीय, सी.बी.एस.ई. विद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है, उसमें एक वर्ष पूर्व केवल एक विद्यार्थी ने स्थान बनाया था। वहीं वर्ष 2023 में 25 से अधिक विद्यार्थियों ने स्थान अर्जित किया और जनपद आगरा के एक छात्र ने 65वीं रैंक लाकर जनपद को गौरवान्वित किया।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में आगरा जनपद हेतु कुल सीट 269

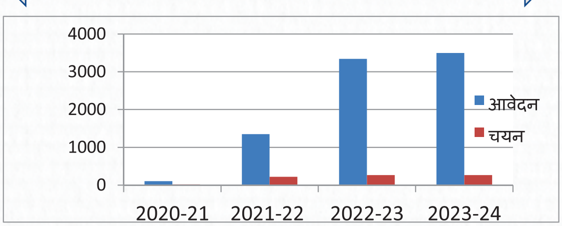

परीक्षा वर्ष	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
आवेदन	104	1348	3349	3498
चयन	18	221	264	264

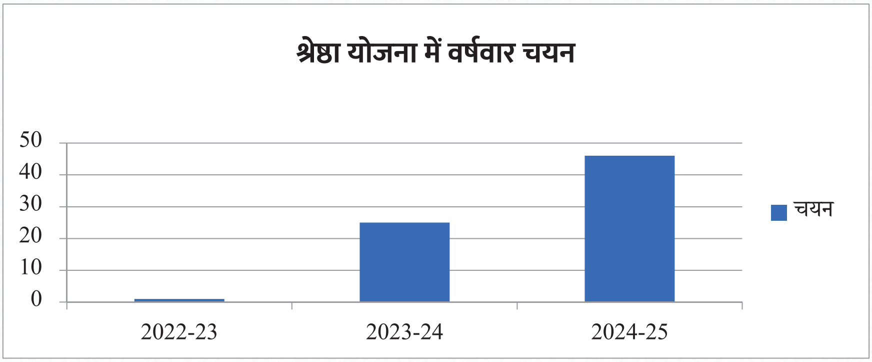

चयन वर्ष	2022-23	2023-24	2024-25
चयनित विद्यार्थी	1	25	46

नेशनल मीन्स–कम–मेरिट स्कॉलरशिप (NMMS scholarship) हेतु तैयारी कराने का कारण यह है कि बच्चों को मिली छात्रवृत्ति जहाँ एक ओर उन्हें आर्थिक रूप से सहयोग करती है वहीं दूसरी ओर उनकी पढ़ाई मध्य सत्र में छोड़ने की सम्भावना समाप्त हो जाती है। इसी प्रकार श्रेष्ठा योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को आवासीय, सी.बी.एस.ई. विद्यालयों में पढ़ने का अवसर, प्रदान करती है व विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के सपनों को साकार करने में मदद करती है।

आगरा Campus my city

छात्रवृत्ति परीक्षा में चमके आगरा के विद्यार्थी

आगरा जागरण

श्रेष्ठा परीक्षा में विश्वेंद्र और विशाल चमके, 28 विद्यार्थियों का चयन

27 विद्यार्थियों ने कक्षा नौवीं और एक ने 11वीं में पाया चयन